प्रो0 (डॉ0) यदुनाथ पाण्डेय का जीवन – परिचय

लोकमानस के मध्य अपनी अमिट छवि रखने वाले निर्भय–पुरूष प्रो0 (डॉ0) यदुनाथ पाण्डेय का जन्म 4 मई 1955 को राँची में हुआ। इनके पिता स्वर्गीय पंडित स्वामीनाथ पाण्डेय भारतीय सेना में कार्यरत थे, अतः देशभक्ति एवं स्वाभिमान की भावना बालक यदुनाथ पाण्डेय के रग–रग में थी। अपने 9 भाई–बहनों में चौथे सबसे बड़े श्री यदुनाथ पाण्डेय को बाल्यावस्था में ही समाज में व्याप्त कुरीतियाँ और बिगड़े हालातों ने इनको जन–आन्दोलनों और सामाजिक विकास की जरूरत को भली प्रकार से समझा दिया था। श्रीमति पूर्णिमा देवी के साथ इनका विवाह 1983 में हुआ। प्रो0 (डॉ0) यदुनाथ पाण्डेय को दो पुत्र (अभिषेक और अनिमेष) एवं एक पुत्री (आकांक्षा) है। भारत की गौरवशाली संस्कृति में अटूट आस्था रखने वाले प्रो0 (डॉ0) यदुनाथ पाण्डेय का परिवार आज भी संयुक्त परिवार है।

प्रो0 (डॉ0) यदुनाथ पाण्डेय का व्यक्तित्व

राष्ट्रवादी, दूरदर्शिता, स्वाभिमान, निर्भयता, कर्मठता, और सह्रदयता का ज्वलंत उदाहरण है। प्रो0 (डॉ0) यदुनाथ पाण्डेय व्यक्तिगत तौर पर एक दृढ़–निश्चयी और निर्णय लेने में आत्म–निर्भर पुरूष हैं। प्रो0 (डॉ0) यदुनाथ पाण्डेय ने व्यक्तिगत, सामाजिक एवं राजनैतिक जीवने के उच्चतम मापदंडो का सदा निर्वहन किया है। मृदुभाषी प्रो0 (डॉ0) यदुनाथ पाण्डेय के व्यक्तित्व की सरलता एवं सहजता एक मिसाल है। सामाजिक एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि ने इन्हे एक मजबूत व्यक्तित्व दिया है, जो इनके संघर्षपूर्ण राजनैतिक जीवन का आधार बना हुआ है।

प्रो0 (डॉ0) यदुनाथ पाण्डेय का सामाजिक एवं राजनैतिक योगदान

मात्र दस वर्ष की आयु में ही स्वयंसेवक बने प्रो0 (डॉ0) यदुनाथ पाण्डेय को बाल्यावस्था में ही यह बोध हो गया था कि समाज में उपस्थित आखिरी व्यक्ति की लड़ाई इन्हे लड़नी है। लोकनायक जयप्रकाश नारायण की क्रांतिकारी आंदोलन का हिस्सा रहे प्रो0 (डॉ0) यदुनाथ पाण्डेय का योगदान अतुलनीय है। किशोरावस्था में छात्र राजनीति से जुड़कर इन्होने छात्र राजनीति को एक नया स्वर्णिम आयाम दिया। इन्होने अनेको बार छात्र हित में आंदोलन किया, पुलिसिया बर्बर जुल्म सहे, जेल में गए परन्तु दृढ़ निश्चयी प्रो0 (डॉ0) यदुनाथ पाण्डेय का हौसला समय के साथ–साथ

और भी प्रबल होत गया। छात्र सीनेटर, प्रदेशाध्यक्ष से लेकर संसद तक का प्रतिनिधित्व इन्होने किया जहाँ इनकी पहचान समाज के सबसे आखिरी व्यक्ति के आवाज के रूप में रही है।

प्रो0 (डॉ0) यदुनाथ पाण्डेय की उपलब्धियाँ

प्रो0 (डॉ0) यदुनाथ पाण्डेय का जीवन अनगिनत उपलब्धियों से भरा पड़ा है।

- जयप्रकाश नारायण के जन–आंदोलन में प्रखर भूमिका इन्होने निभायी (1974)
- छात्र–सीनेटर चुने गए (1979)
- विश्व हिन्दू परिषद् के प्रदेश अधिकारी मनोनीत हुए संयुक्त बिहार के (1980)
- योगा ऐसासिएशन के चेयरमैन मनोनीत हुए (1980–93)
- देश में प्रथम संयोजक, बजरंग दल के मनोनीत हुए संयुक्त बिहार के (1984) में।
- राँची में तेरह वर्षों के बंद पड़े रामनवमी जुलूस को पुनः आरंभ करवाया (1986)
- एक वर्ष के बाद हजारीबाग में रामनवमी जुलूस को पुनः आरंभ करवाया (1989)
- अखिल भारतीय हिन्दू–सम्मेलन का सफल आयोजन करवाया (1986)
- लोभ और लालच देकर जबरन धर्मानतरण करवाने हेतु जब पॉप जॉन पॉल द्वितीय राँची आया तो प्रो0 (डॉ0) यदुनाथ पाण्डेय के विरोध के कारण उसे राँची एयरपोर्ट से ही वापस लौट जाना पड़ा, प्रो0 (डॉ0) यदुनाथ पाण्डेय जी की गिरफ्तारी हुई और उसी दिन राम–जन्मभूमि का ताला खुला (1 फरवरी 1986)
- संयुक्त बिहार में रामनवमी का जुलूस कई जिलों में प्रतिबंधित कर दिया गया था (गुमला, हजारीबाग, लोहरदगा, राँची इत्यादि), जिसे इन्होने पुनः शुरू करवाया (1986)
- 1987 में राँची दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष के दायित्व पर रहते हुए महाराष्ट्र गणेश उत्सव से प्रेरणा लेकर सामुहिक दुर्गा पूजा विर्सजन की परंपरा की शुरूआत हुई जो अबतक चला आ रहा है।
- श्री लाल कृष्ण आडवानी जी की सोमनाथ–अयोध्या यात्रा में संयुक्त बिहार से अग्रिम पंक्ति में रहकर सहयोग किया और आडवानी जी के साथ इनकी भी गिरफ्तारी हुई और इनपर नेशनल सिक्योरिटी एक्ट लगा।
- भारतीय जनता पार्टी के कोर–ग्रुप के सदस्य मनोनीत हुए (1989)

- चुनाव नहीं लड़ने का निश्चय, किन्तु जनमानस एवं संघ के 4पेक्षाओं और प्यार के दबाव में चुनाव लड़े।
- संसद सदस्य निर्वाचित, हजारीबाग लोकसभा सीट से (1989)
- माननीय श्री मुरली मनोहर जोशी जी एवं आपके देखरेख में (श्री नरेन्द्र भाई मोदी) के नेतृत्व में लाल चौक, जम्मू–कश्मीर में झंडा फहराया (26 जनवरी 1992)
- भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत, संयुक्त बिहार (1990–93)
- ऑल इंडिया पावर–लिफ्टिंग फेडरेशन के चेयरमैन चुने गए (1990–93)
- वर्ल्ड पावर–लिफ्टिंग फेडरेशन के वाईस–प्रेसिडेंट चुने गए (1992)
- प्रथम आजीवन सहयोग निधी के संयोजक झारखण्ड (वनांचल) प्रदेश (1996 – 2000)
- भाजपा के प्रदेश संयोजक (आजीवन सहयोग निधि) मनोनीत (1996–2000)
- **झारखण्ड के प्रदेश चुनाव अधिकारी मनोनीत हुए और पहली बार पंचायत, मंडल, जिला एवं प्रदेश के चुनाव इनके देख–रेख में ही सफलता से संपन्न हुए (2000)**
- झारखण्ड प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत हुए (2000–04)
- झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत हुए (2005–07)
- डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पे इन्होने संथाल के 6 जिलों की पदयात्रा शुरू की जो अमर बलिदानी सिद्धो–कान्हों के बलिदान दिवस (संथाल–हूल) के दिन समाप्त हुई। इस दौरान इन्होने 215 किलोमीटर की दूरी तय की (2006)
- राम–जन्मभूमि के संदर्भ में बने लिब्राहन आयोग में उपस्थित हुए भारत के 68 व्यक्तियों में बिहार एवं झारखण्ड से केवल प्रो0 (डॉ) यदुनाथ पाण्डेय का ही नाम है।

प्रो0 (डॉ0) यदुनाथ पाण्डेय की जेल–यात्रा

- राँची जेल (तीन बार)
- हजारीबाग जेल (तीन बार)
- पटना जेल (दो बार)
- भागलपुर थर्ड–सेक्टर जेल (एक बार)
- मुजफ्फरपुर जेल (एक बार)
- तिहाड़ जेल (एक बार)
- अलीगढ़ के कलुआ सिती कैंप जेल (एक बार)

शैक्षणिक योग्यता एवं उपलब्धियाँ

- एम0एस0सी0 (एंथ्रोपोलॉजी)
- बैचलर ऑफ लॉ
- पी0 एच0 डी0
- डी0 लिट्

प्रो0 (डॉ0) यदुनाथ पाण्डेय द्वारा लिखित आर्टिकल देश एवं विदेश के भिन्न–भिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहें हैं। अबतक कुल बारह देशों में इनके लेख प्रकाशित हो चुके है।

प्रकाशित किताबें

- **Secred Geography of Joshimath and Badrinath**
  K.K Publication Prayagraj, 2011 (First Edition)
- **Tribal Movement (Reforms and Conflicts in Chotanagpur & Santhal Pargana An Anthropological Appraisal)**
  S.K Publication Ranchi, 2023 (First Edition)
- **The Role of Self – Help Group (In the Socio-Economic Development of Tribes of Santhal Pargana with Special Reference of District of Dumka and Godda)**
  S.K Publication Ranchi (First Edition in Press)
- **A Hand Book of Anthropological Thought**
  S.K Publication Ranchi (First Edition in Press)